1	2
कन्नड़	59
कोंकड़ी	2
मलयालम	58
मणिपुरी	7
मराठी	41
नेपाली	1
उड़िया	29
पंजाबी	16
तमिल	65
तेलुगु	64
अवधी	3
भोजपुरी	3
बोड़ो	1
हरियाणवी	2
राजस्थानी	1
तुलु	3

Title clearance of newspapers

6990. SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the number of applications received by the Registrar of Newspapers during the period from 1-4-94 to 31-3-95 for title clearance of new newspapers;

(b) the number of titles cleared during the said period; and

(c) the number of applications for title clearance pending as on 1-4-95?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) During the period from 1-4-1994 to 31-3.1995, 20581 applications were received by the Registrar of Newspapers for India for title clearance.

(b) 11610 applicatons for titles were cleared. In the case of 8601 applications, titles were not available for clearance.

(c) 370 applications were pending as on 1.4.1995.

समाचार पत्रों की लागत में वृद्धि

6991. **श्री सतीश प्रधान :** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) देश में समाचार पत्रों के महंगा होने के क्या कारण हैं तथा इसके लिए कौन उत्तरदायी है।

(ख) क्या अखबारी कागज प्रदान करने की सरकारी नीति इस महंगाई के मूल कारण की जिम्मेदार है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस पर विचार कर रही है तथा उक्त उल्लिखित मूल कारण को दूर करने का प्रयास कर रही है;

(घ) स्वदेशी अखबारी कागज और विदेशी अखबारी कागज की कीमतों में इतना अधिक अन्तर होने के क्या कारण हैं;

(ङ) स्वदेशी कागज के मंहगे होने के क्या कारण हैं जबकि विदेशी कागज अपेक्षाकृत सस्ता है; और

(च) स्वदेशी कागज के घटिया होने के क्या कारण हैं जबकि विदेशी कागज की गुणवत्ता बेहतर है और वह सस्ता है?